

वीयू – नवीन शैक्षणिक सत्र के सुचारु संचालन हेतु कुलगुरु ने ली बैठक



नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर मनदीप शर्मा जी ने आज सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता तथा विश्वविद्यालय के निदेशकों एवं अधिकारियों की आज एक बैठक बुलाई तथा सभी को नवीन शैक्षणिक सत्र के प्रारंभ के मद्देनजर विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, अनुसंधान एवं प्रशासनिक गतिविधियों की और अधिक प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने हेतु निर्देश दिए। गौरतलब है की नवीन शैक्षणिक सत्र में वेटेरनरी के सभी महाविद्यालयों की सीट फुल हो चुकी है तथा मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में भी खासी रुचि के साथ छात्र-छात्राओं ने प्रवेश लिया है।

बैठक में नवीन सत्र की तैयारियों सहित विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली को सुदृढ़ बनाने, विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा विश्वविद्यालय को उत्कृष्टता की ओर अग्रसर करने से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

माननीय कुलगुरु ने कहा कि विश्वविद्यालय की प्रत्येक गतिविधि का केंद्र विद्यार्थी होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निर्णय एवं कार्यवाही विद्यार्थी-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ की जाए तथा विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं, सुविधाओं और समग्र विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

उन्होंने सभी स्तरों के प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपने-अपने दायित्वों के प्रति सक्रिय, उत्तरदायी एवं जवाबदेह रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी अपने कार्यों में पहल करते हुए निर्धारित दायित्वों का समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से निर्वहन करें तथा विश्वविद्यालय के बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करें।

कुलगुरु ने विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि महाविद्यालय स्तर एवं छात्रावासों में विद्यार्थियों को आवश्यक एवं गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं बेहतर स्थिति में उपलब्ध हों। विद्यार्थियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी डीन को निर्देशित किया कि नवीन प्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए महाविद्यालय स्तर पर अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएं, ताकि नवागत विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, पाठ्यक्रम, नियमों, सुविधाओं एवं विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी प्रारंभ से ही प्राप्त हो सके। वहीं विश्वविद्यालय स्तर पर आगामी सप्ताह 'दीक्षारंभ' कार्यक्रम के अंतर्गत इंडक्शन कार्यक्रम का सुचारु रूप से आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों के माध्यम से नवागत विद्यार्थियों में विश्वविद्यालय के प्रति अपनत्व की भावना

विकसित करने के साथ-साथ उनमें सकारात्मक ऊर्जा, आत्मविश्वास एवं सीखने की नई प्रेरणा का संचार किया जाए।

बैठक में शिक्षण एवं अनुसंधान को सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया गया। कुलगुरु ने कहा कि विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के साथ-साथ नवाचार एवं समस्या-आधारित अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी प्रकार का कार्य लंबित न रहने पाए। चाहे कार्य प्रशासनिक हो, शैक्षणिक हो अथवा अन्य किसी विभाग से संबंधित, सभी कार्यों को नियमानुसार शीघ्रता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अनावश्यक लंबित प्रकरण विश्वविद्यालय की कार्यक्षमता को प्रभावित करते हैं, अतः प्रत्येक स्तर पर लंबित कार्यों की नियमित समीक्षा करते हुए उनका शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

माननीय कुलगुरु ने कहा कि समयपालन, अनुशासन, जवाबदेही एवं कार्य के प्रति प्रतिबद्धता एक उत्कृष्ट संस्थान की पहचान हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कार्यालयीन समय का पालन करने तथा अपने दायित्वों को पूर्ण निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ निभाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, उद्यमिता एवं विस्तार गतिविधियों के माध्यम से समाज एवं राष्ट्र के विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी होगी। माननीय प्रधानमंत्री जी के 'विकसित भारत/2047' के संकल्प को साकार करने में विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अपने निर्धारित अधिदेश एवं मिशन को प्रभावी रूप से पूरा करते हुए ऐसा वातावरण तैयार करे, जिसमें विश्वविद्यालय परिवार का प्रत्येक सदस्य विकसित भारत के निर्माण के इस स्वर्णिम अवसर में सक्रिय भागीदार बन सके।

बैठक में आगामी दीक्षांत समारोह के आयोजन को लेकर भी चर्चा की गई। साथ ही उन्होंने विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस को भी बड़े स्तर पर आयोजित किए जाने की जानकारी दी तथा सभी डीन, निदेशकों एवं अधिकारियों को अपने-अपने स्तर पर कार्यक्रम की तैयारियां प्रारंभ करने एवं सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया।

माननीय कुलगुरु ने कहा कि विश्वविद्यालय की प्रगति किसी एक व्यक्ति या विभाग के प्रयास से नहीं, बल्कि सामूहिक प्रयास, समन्वय, अनुशासन एवं जिम्मेदारी की भावना से संभव है। उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार से आह्वान किया कि नवीन सत्र में नई ऊर्जा, सकारात्मक सोच एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए विश्वविद्यालय को शैक्षणिक एवं अनुसंधान उत्कृष्टता की नई ऊंचाइयों तक ले जाने में अपना योगदान दें।

बैठक में कुलसचिव डॉ. राखी वैश्य, डॉ. राजेश शर्मा, डॉ. तोमर, डॉ. मधु स्वामी, डॉ. सुनील नायक, डॉ. एस.के. महाजन डॉ. रणविजय सिंह, श्री विजय तिकी, डॉ. जी. दास, ड. सुदिप्ता घोष, डॉ. पूनम शाक्य, डॉ. अक्षय गर्ग, डॉ. सोना दुबे, डॉ. रामकिंकर मिश्रा, डॉ. आर.पी. सिंह, श्री पंकज पटेरिया, निधि भलावी उपस्थित रहे तथा ऑनलाइन माध्यम से अधिष्ठाता रीवा डॉ. ए.पी. सिंह, अधिष्ठाता महु तथा डीएसडब्ल्यू डॉ. आदित्य मिश्रा जुड़े रहे।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर